भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर में "पशु आहार प्रौद्योगिकी" विषय पर उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम

बरेली 29 अगस्त, 2018। वैज्ञानिक जानकारी के साथ कोई भी व्यवसाय करेंगे तो सफलता निश्चित है यह उदगार भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान के संयुक्त निदेशक शोध डा. बी.पी. मिश्रा ने "पशु आहार प्रौद्योगिकी" विषय पर चले रहे उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किये। यह उद्यमिता कार्यक्रम एग्री–बिजनेस इन्कुबेशन (एबीआई) केन्द्र द्वारा भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली में आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 29 अप्रैल से 4 मई तक चलेगा तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 4 राज्यों बिहार, हरियाणा, पंजाब तथा उत्तर प्रदेश के 08 उद्यमी तथा अग्रणी पशुपालक भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए मुख्य अतिथि संस्थान के संयुक्त निदेशक शोध डा. बी. पी मिश्रा ने संस्थान का एग्री बिजनेश इन्कुबेशन केन्द्र पिछले 3 साल से उद्यमिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रहा है इसी श्रृंखला का यह 9वां प्रशिक्षण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि पशुओं के लिए आहार प्रौद्योगिकी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि उचित व पोषणयुक्त पशुआहार से हम अपनी पशुधन उत्पादन क्षमता में वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि निंरतर आय में वृद्धि करने के लिए यह आवश्यक है कि हम अपने पशु को संतुलित एवं पोषणयुक्त आहार दें इसके लिए हमें पशुपालन से जुड़ी वैज्ञानिक पद्धति को अपनाना होगा। उन्होंने पशुओं की अनुवांशिकता एवं इसका उत्पादन से सम्बन्ध के बारे में भी बताया।

संस्थान के पशु पोषण विभाग के विभागाध्यक्ष डा. ए.के. वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि संस्थान का एग्री बिजनेस केन्द्र 20 क्षेत्रों में प्रशिक्षण दे रहा है जिससे उद्यमिता विकास को बढ़ावा मिल रहा है उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को पशु पोषण से सम्बन्धित तमाम जानकारियां दी जायेंगी जिनमें प्रोटीन, ऊर्जा, विटामीन की कमी क्षेत्र विशेष अनुसार मिनरल मिक्चर तथा पशु आहार विषय में विस्तार से बताया जायेगा।

कार्यक्रम के प्रधान अन्वेषक एवं जैविक उत्पाद विभाग के विभागाध्यक्ष डा. आर.पी. सिंह ने प्रशिक्षुओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह इस श्रृंखला का 9वां प्रशिक्षण कार्यक्रम है इससे पूर्व इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें डेयरी व्यवसाय, गुणवत्तायुक्त दूध उत्पादन प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन, फ्रोजेन सीमेन उत्पादन, शूकर पालन, आदि हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य "पशु आहार प्रौद्योगिकी के द्वारा व्यवसायी/उद्यमियों को व्यावसीकरण करने में सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि इस दौरान विभिन्न व्याख्यान व प्रयोगात्मक परीक्षण कराये जायेंगे साथ ही साथ बैंकों के साथ वार्तालाप,

संस्थान की दो फीड यूनिट आईवीआरआई एवं सीएआरआई का भी भ्रमण कराया जायेगा। उन्होंने कहा सम्पूर्ण प्रशिक्षण को इस तरह तैयार किया गया है जिससे उद्यमिता विकास को बढ़ावा मिलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन डा. पुतान सिंह द्वारा दिया गया इस अवसर पर डा. ज्ञानेन्द्र गौढ़, डा. मुकेश सिंह, डा. एस.के. सिंह, डा. विश्व बन्धु चतुर्वेदी, डा. नारायण दत्ता डा. बबलू कुमार, डा. सुनील जाधव, पी.के. मुखर्जी, डा. अंजू काला, डा. हरीश यादव उपस्थित रहे।